न्यूज डायरी

चीन में सार्स संक्रमण के 140 नए मामले सामने आए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन में रहस्यमय सार्स जैसे वायरस (विषाणु) का कहर बढ़ने के बीच इसकी चपेट में आने से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इसके करीब 140 नए मामले सामने आए हैं। कोरोनावायरस विषाणुओं का एक बड़ा समूह है, लेकिन इनमें से केवल छह विषाणु ही लोगों को संक्रमित करते हैं। चीन में इस वायरस संक्रमण को देखते हुए भारत सरकार ने अडवाइजरी जारी की है। इसके सामान्य प्रभावों के चलते सर्दी–जुकाम होता है लेकिन सिवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (सार्स) ऐसा कोरोनावायरस है जिसके प्रकोप से 2002–03 में चीन और हॉन्ग कॉन्ग में करीब 650 लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय स्वास्थ्य आयोग ने मृतकों के संबंध में जानकारी दिए बिना बताया कि वुहान में सप्ताहांत में इसके करीब 136 नए मामले सामने आए हैं।

नाइजीरिया में तेल पाइप लाइन में लगी आग, चार की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लागोस। नाइजीरिया के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र लागोस में तेल पाइपलाइन में चोरों द्वारा सेंध लगाए जाने के दौरान हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई जबकि कई दुकानों और गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। आपातकालीन सेवा के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा रविवार शाम अबुले–इग्बा इलाके में हुआ। इससे पहले भी यहां इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के कार्यवाहक मंडल समन्वयक इब्राहिम फारिनलोए ने कहा, हमने दो पुरुषों, एक महिला और उसके बच्चे का शव सुबह करीब चार बजे आग वाली जगह से बरामद किया। उन्होंने कहा, कुछ इमारतें, दुकानें और गाड़ियां भी इस आग की चपेट में आ गईं। फारिनलोए ने कहा कि यह आग कुछ उपद्रवियों द्वारा पेट्रोल चुराने के लिये सरकारी पाइपलाइन तोड़ने की वजह से लगी, जिससे इलाके में रहने वाले लोगों में अफरा–तफरी मच गई।

कश्मीरी पंडितों के विस्थापन के 30 साल, अमेरिका तीन दर्जन शहरों में होंगे कार्यक्रम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। कश्मीरी पंडितों के विस्थापन के तीस साल पूरा होने पर अमेरिका के तीन दर्जन से ज्यादा शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम भारतीय मूल के अमरीकी आयोजित करेंगे। आयोजकों के मुताबिक, यह कार्यक्रम कश्मीरी पंडितों की सहन करने की क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आयोजित किए जाएंगे। इंडियन अमेरिकन्स फॉर कश्मीरश ने इस बारे में बताया कि कश्मीरी पंडितों ने तीन दशक पहले घाटी में जिन कठिन चुनौतियों का सामना किया था, उन्हें रेखांकित करने के लिए वे लोग शांतिपूर्वक रैली निकालेंगे, मोमबत्ती मार्च करेंगे तथा सभा करेंगे। न्यू यॉर्क, न्यू जर्सी, सिलिकॉन वैली, शिकागो, मियामी, फिलाडेल्फिया, लॉस एंजिल्स और डेट्रॉयट समेत अन्य शहरों में रविवार को इस कार्यक्रम के आयोजन की योजना बनाई गई है।

समुद्री डाकुओं ने 19 भारतीयों को किया रिहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबुजा। अफ्रीका के पश्चिमी तट के पास से पिछले महीने वाणिज्यिक पोत से समुद्री डाकुओं द्वारा अगवा किए गए 19 भारतीयों को रिहा कर दिया गया है जबकि एक व्यक्ति की कैद में मौत हो गई। अफ्रीका के पश्चिमी तट के पास पोत एमटी ड्यूक से 15 दिसंबर को चालक दल के 20 भारतीय सदस्यों को अगवा कर लिया गया था।
अबुजा में भारतीय उच्चायोग ने रविवार को ट्वीट किया कि 19 भारतीय नागरिकों को शनिवार को रिहा कर दिया गया जबकि डाकुओं द्वारा प्रतिकूल स्थितियों में कैद में रखे जाने के कारण एक की मौत हो गई। भारत ने अगवा भारतीयों की रिहाई में सहयोग के लिए नाइजीरियाई अधिकारियों का शुक्रिया अदा किया। भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, भारत सरकार और उच्चायोग ने एमवी ड्यूक से 15 दिसंबर को अगवा किए गए 20 भारतीय नाविकों की रिहाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और नाइजीरिया सरकार के साथ मिल कर काम किया। दुखद है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में एक की मौत हो गई। हमारी गहरी संवेदनाएं। दूतावास उनकी तेजी से वापसी के लिए मदद कर रहा है।

शाही परिवार से अलग हो बोले प्रिंस हैरी, 'बेहद दुखी हूं'

विकल्प

■हैरी ने कहा कि मेरे और मेगन के पास कोई और विकल्प नहीं बचा था

शाही उपाधि हिज रॉयल हाइनेस और हर रॉयल हाईनेस को छोड़ना होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। प्रिंस हैरी ने शाही परिवार से अलग होने के औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद इस पूरे घटनाक्रम को लेकर दुख जाहिर किया। उन्होंन कहा कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं बचा था। इस समझौते के तहत उन्हें और उनकी पत्नी मेगन मर्केल को शाही उपाधि हिज रॉयल हाइनेस और हर रॉयल हाईनेस को छोड़ना होगा। इसके साथ ही अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए अब सार्वजनिक कोष का इस्तेमाल भी नहीं कर पाएंगे। हैरी इस पूरे घटनाक्रम को लेकर दुखी भी हैं क्योंकि उन्हें चीजों के इस तरह अंजाम पर पहुंचने का अंदाजा नहीं था।

शाही पद छोड़ने पर हैरी ने जताया दुख: बीबीसी की खबर के अनुसार हैरी ने कहा कि वह और मेगन शादी के समय उत्साहित और आशावान थे कि वे यहां अपनी सेवाएं दे पाएंगे। इस ऐतिहासिक समझौते के बाद हैरी ने अपने पहले बयान में कहा, 'मैं उन कारणों की वजह से, बेहद दुखी हूं कि चीजें यहां पहुंच गईं।' लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'हमें उम्मीद थी कि हम महारानी, कॉमनवेल्थ और मेरे सैन्य संघ को सेवाएं देते रहेंगे, लेकिन बिना सार्वजनिक कोष.. दुर्भाग्यवश, यह संभव नहीं है। मैंने यह जानते हुए इसे स्वीकार कर लिया कि इससे मैं जो हूं या जितना प्रतिबद्ध हूं यह नहीं बदलेगा।'

नया समझौता अमल होने तक जिम्मेदारी निभाएंगे हैरी-मेगन: हैरी ने कहा कि उनके और मेगन के पास वास्तव में इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था और उन्हें उम्मीद के सहारे आगे बढ़ना था। उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद के सहारे आगे बढ़ रहे हैं.... यह कदम उठाने के लिए मुझे हिम्मत देने के लिए शुक्रिया।' सीएनएन की खबर के अनुसार हैरी यह स्पष्ट करना चाहते थे कि वह और मेगन भाग नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने यहां जन्म लिया है और अपने देश और महारानी को अपनी सेवा देना गर्व की बात है। ब्रिटेन मेरा घर है और ऐसी जगह है जिससे मुझे प्यार है और यह कभी नहीं बदलेगा।'

बेटे के साथ कनाडा में हैं मेगन मेगन अपने आठ माह के बेटे आर्ची के साथ पहले से कनाडा में हैं और कुछ खबरों में कहा गया है कि वह लंबित शाही कार्यों के लिए कुछ समय के लिए ब्रिटेन लौट सकती हैं जब तक कि नया समझौता अमल में नहीं आ जाता। नया समझौता बसंत में किसी निश्चित तिथि पर अमल में आएगा जो ब्रिटेन में मार्च के अंत में शुरु होता है। इस बीच, प्रिंस हैरी तब तक अपने शाही कर्तव्य निभाते रहेंगे।

विश्व शक्तियों ने लीबिया में शांति का संकल्प लिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बर्लिन। विश्वभर के नेताओं ने लीबिया में युद्ध में सभी तरह की विदेशी दखल को खत्म करने का रविवार को संकल्प लिया और बर्लिन के सम्मेलन में हथियारों पर प्रतिबंध को बरकरार रखा। ऐसा वहां जारी संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना के तहत किया गया है। रूस, तुर्की और फ्रांस के राष्ट्रपतियों समेत विश्व नेताओं ने युद्ध में किसी भी रूप में दलख को रोकने की योजना पर हस्ताक्षर किए, चाहे वह दखल हथियारों के रूप में हो, सैनिकों के रूप में या फिर वित्तपोषण के तौर पर हो। सम्मेलन युद्धरत पक्षों के बीच गंभीर वार्ता तक नहीं पहुंची। इस दौरान दोनों पक्षों ने स्थाई युद्धविराम समझौते पर भी हस्ताक्षर नहीं किए। यह संघर्ष शक्तिशाली नेता खलीफा हफ्तार और संयुक्त राष्ट्र की ओर से मान्यता प्राप्त सरकार के प्रमुख फयेज अल सराज के बीच चल रहा है। सम्मेलन की मेजबान जर्मनी की चांसलर आंगेला मर्केल ने कहा, 'लीबिया में बिलकुल अलग किस्म के हालात हैं, जिनमें तुरंत यह सुनिश्चित करना कि संघर्षविराम का सम्मान हो, यह आसान नहीं है। हमें उम्मीद है कि आज के सम्मेलन से हमारे पास यह मौका है कि युद्धविराम आगे कायम होगा।'

पराग्वे जेल से भागे बेहद खतरनाक 76 कैदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) असंशियन। ब्राजील की सीमा के निकट पराग्वे की एक जेल से रविवार को 76 बेहद खतरनाक कैदी भाग गए। इन कैदियों में से कई नशीले पदार्थों और हथियार की तस्करी करने वाले ब्राजील के गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस की प्रवक्ता एलीना एंद्रादा ने बताया कि पेड्रो जुआन कैबलेरो शहर की जेल में कैदियों ने एक सुरंग बनाई थी जिससे होकर वे जेल से भाग गए। भागने वालों में ब्राजील और पराग्वे दोनों के कैदी हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे सबसे काबिल कर्मी कैदियों को पकड़ने के लिए सीमा पर गए हैं।'

यमन में मिसाइल और ड्रोन हमले में 100 से अधिक जवानों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। यमन के मारिब में सैन्य शिविर में एक मस्जिद पर मिसाइल और ड्रोन हमले में 100 से अधिक सैनिकों की मौत हो गई और दर्जनों सैनिक घायल हो गए। चिकित्सकीय एवं सैन्य सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। इन हमलों के लिए हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन समर्थित यमन सरकार के बीच जारी युद्ध में कुछ महीनों की अपेक्षाकृत शांति के बाद शनिवार को यह हमला हुआ।

१०० से अधिक लोगों के मारे जाने की सूचना: सैन्य सूत्रों ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने सना के पूर्व में करीब 170 किलोमीटर दूर मारिब में शनिवार शाम को नमाज के दौरान एक सैन्य शिविर में मस्जिद पर हमला किया। यमन के विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'हम हूती विद्रोहियों द्वारा मस्जिद पर किए हमले की कड़ी निंदा करते हैं... जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं।' हताहतों को मारिब शहर के एक अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के एक चिकित्सकीय सूत्र ने इससे पहले बताया था कि हमले में 83 सैनिक मारे गए हैं और 148 अन्य घायल हुए हैं।

यमन के राष्ट्रपति ने हमले की निंदा की: इस हमले से एक दिन पहले गठबंधन समर्थित सरकारी बलों ने सना के उत्तर में स्थित नाहम क्षेत्र में हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया था। आधिकारिक संवाद समिति सबा के अनुसार एक सैन्य सूत्र ने बताया कि नाहम में संघर्ष रविवार को भी जारी रहा।

कैंजस सिटी: मिसौरी में गोलीबारी में दो लोगों की मौत, लगभग 15 लोग घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कंसास सिटी। अमेरिका में मिसौरी राज्य के कैंजस सिटी में गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 15 लोगों के घायल होने की सूचना है। कंसास सिटी पुलिस ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रविवार की मध्य रात्रि से ठीक पहले इस घटना के बारे में जानकारी मिली थी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पार्किंग स्थल पर एक महिला समेत दो लोग मृत पाए गए हैं। पुलिस का मानना है कि मारे गए लोगों में से एक गोलीबारी करने वाला है।
प्रवक्ता ने बताया कि शूटर ने एक बार में प्रवेश करने का इंतजार कर रहे लोगों पर गोलीबारी की। गोलीबारी के उद्देश्य का तत्काल पता नहीं चल सका है। गोलीबारी करने वाले शख्स को सशस्त्र सुरक्षा गार्ड ने मार गिराया। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 15 घायल लोगों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।